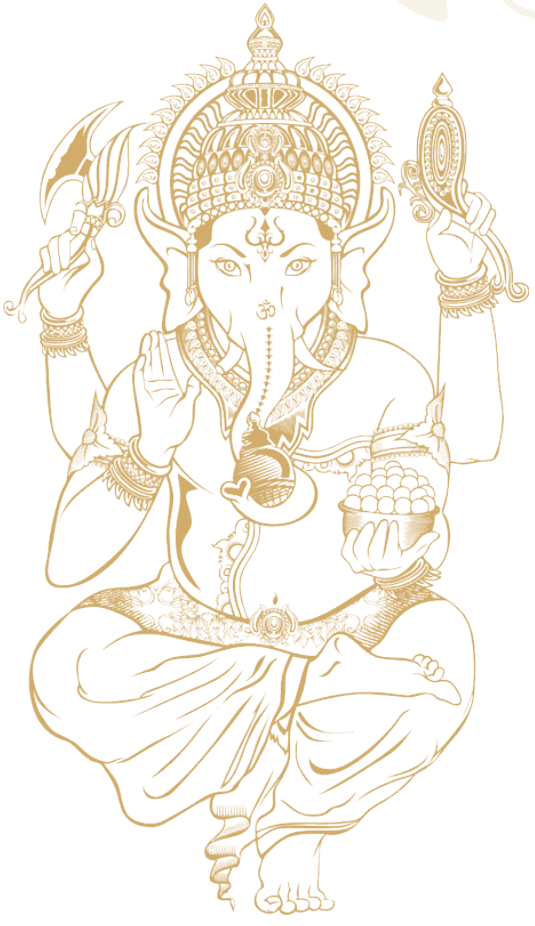

Durge ki ladi

03 Dec 2008

04:15 AM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 121140507

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**2-03/12/2008**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	53:26:50 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:48:20 घंटे
वेलान्तर	00:10:30 घंटे
साम्पातिक काल	08:36:54 घंटे
सूर्योदय	06:52:16 घंटे
सूर्यास्त	17:40:12 घंटे
दिनमान	10:47:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:09:17 वृश्चिक
लग्न के अंश	11:41:04 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खू-खुशी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:41:04	322:00:39	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	17:09:17	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मक	13:57:31	11:57:15	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	17:59:57	00:43:46	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध		अ	वृश्चि	21:11:05	01:33:55	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	28:34:59	00:12:14	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	स्वराशि
शुक्र			मक	00:07:25	01:10:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			सिंह	27:01:42	00:03:04	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मक	16:57:44	00:00:22	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	16:57:44	00:00:22	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	24:45:56	00:00:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप			मक	27:44:55	00:01:02	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	06:13:07	00:02:06	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	12:50:55	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:06

लग्न-चलित

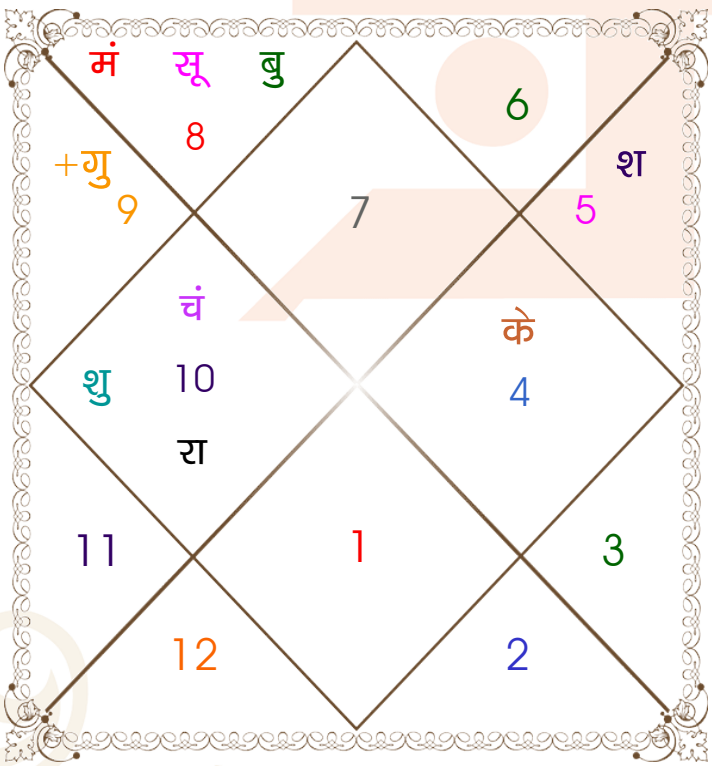

चन्द्र कुंडली

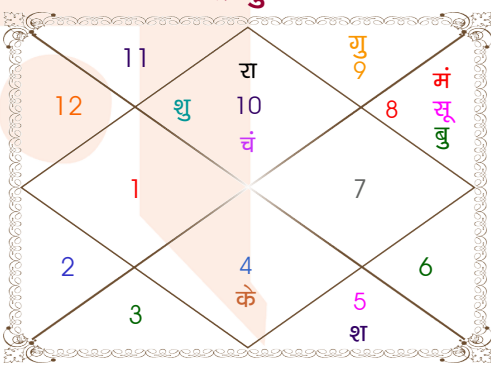

नवमांश कुंडली

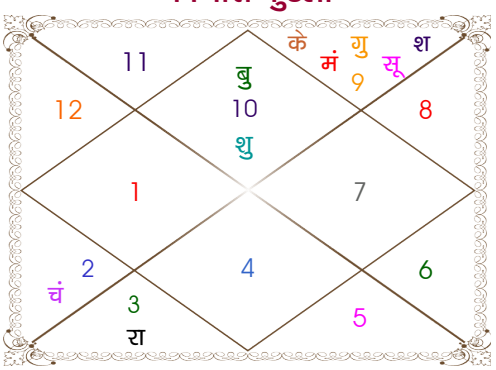

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 0 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/12/2008		15/12/2015		15/12/2022		14/12/2040		14/12/2056	
15/12/2015		15/12/2022		14/12/2040		14/12/2056		15/12/2075	
	00/00/0000	मंगल	12/05/2016	राहु	27/08/2025	गुरु	01/02/2043	शनि	18/12/2059
	00/00/0000	राहु	30/05/2017	गुरु	20/01/2028	शनि	15/08/2045	बुध	27/08/2062
	03/12/2008	गुरु	06/05/2018	शनि	26/11/2030	बुध	20/11/2047	केतु	06/10/2063
गुरु	16/03/2010	शनि	15/06/2019	बुध	15/06/2033	केतु	26/10/2048	शुक्र	05/12/2066
शनि	15/10/2011	बुध	11/06/2020	केतु	03/07/2034	शुक्र	27/06/2051	सूर्य	17/11/2067
बुध	15/03/2013	केतु	08/11/2020	शुक्र	03/07/2037	सूर्य	15/04/2052	चंद्र	18/06/2069
केतु	14/10/2013	शुक्र	08/01/2022	सूर्य	28/05/2038	चंद्र	15/08/2053	मंगल	28/07/2070
शुक्र	15/06/2015	सूर्य	15/05/2022	चंद्र	27/11/2039	मंगल	21/07/2054	राहु	02/06/2073
सूर्य	15/12/2015	चंद्र	15/12/2022	मंगल	14/12/2040	राहु	14/12/2056	गुरु	15/12/2075

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/12/2075		14/12/2092		15/12/2099		16/12/2119		15/12/2125	
14/12/2092		15/12/2099		16/12/2119		15/12/2125		00/00/0000	
बुध	12/05/2078	केतु	12/05/2093	शुक्र	16/04/2103	सूर्य	03/04/2120	चंद्र	16/10/2126
केतु	10/05/2079	शुक्र	12/07/2094	सूर्य	16/04/2104	चंद्र	03/10/2120	मंगल	17/05/2127
शुक्र	10/03/2082	सूर्य	17/11/2094	चंद्र	15/12/2105	मंगल	08/02/2121	राहु	15/11/2128
सूर्य	14/01/2083	चंद्र	18/06/2095	मंगल	14/02/2107	राहु	03/01/2122	गुरु	04/12/2128
चंद्र	14/06/2084	मंगल	14/11/2095	राहु	14/02/2110	गुरु	22/10/2122		00/00/0000
मंगल	12/06/2085	राहु	02/12/2096	गुरु	15/10/2112	शनि	04/10/2123		00/00/0000
राहु	30/12/2087	गुरु	08/11/2097	शनि	16/12/2115	बुध	09/08/2124		00/00/0000
गुरु	06/04/2090	शनि	18/12/2098	बुध	16/10/2118	केतु	15/12/2124		00/00/0000
शनि	14/12/2092	बुध	15/12/2099	केतु	16/12/2119	शुक्र	15/12/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 0 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करती रहती हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहती हैं।

आप अपने पति की सभी बातें मानेंगी। आप अपने पति के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करती रहेंगी। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगी। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा महिला हैं।

आपकी आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहती हैं। आप ऐसा चाहती हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहती। आप अपनी वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहती हैं। आप एक शिक्षित महिला की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहती हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करती हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहती है। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगी। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहती हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।